

8th bridge launched for bullet train project



Kamal Mishra

MUMBAI

The Mumbai-Ahmedabad Bullet Train project recently marked a significant milestone with the successful launch of an approximately 1,400-metric-ton steel bridge over the Dedicated Freight Corridor (DFC) tracks near Bharuch, Gujarat. This impressive 100-meter-long structure is the eighth of 17 planned steel bridges in

Gujarat and 28 across the entire high-speed rail corridor.

Standing 14.6 meters high and 14.3 meters wide, the bridge was fabricated in Trichy and transported via specialized trailers. Its installation involved an 84-meter, 600-metric-ton launching nose and precise pulling into place by two 250-ton semi-automatic jacks, all executed with minimal disruption to DFC freight traffic.

Bullet Train: 8th steel bridge installed

FPJ News Service

BAHRUCH

The Mumbai-Ahmedabad High-Speed Rail (MAHSR) project, popularly known as the Bullet Train, achieved another significant milestone with the successful installation of a 100-meter-long steel bridge over the Dedicated Freight Corridor (DFC) tracks near Bharuch. This marks the eighth of 17 such steel bridges planned specifically for the Gujarat section of the corridor, and one of 28 across the entire 508-km Ahmedabad-Mumbai route.

"This installation is a testament to the meticulous planning and execution by our teams," stated a spokesperson for the National High-Speed Rail Corporation Limited (NHSRCL), which is overseeing the project. "Each bridge is a critical component that ensures the seamless integration of the high-speed rail line with existing infrastructure while minimizing disruption."

The colossal structure, weighing approximately 1,400

metric tonnes, stands an impressive 14.6 meters tall and spans 14.3 meters in width. Its fabrication took place in Trichy, from where it was meticulously transported to the site using specialized trailers, highlighting the complex logistics involved in such a mega-project. To aid in its precise placement, an 84-meter-long launching nose, weighing 600 metric tonnes, was employed, showcasing advanced engineering techniques.

The bridge's robust design incorporates around 55,300 Tor-Shear Type High Strength (TTHS) bolts, ensuring exceptional structural integrity. Furthermore, it features a protective C5 system painting for enhanced corrosion resistance and elastomeric bearings designed for long-term durability, promising a lifespan of over a century. "Quality and longevity are paramount for a project of this scale," an engineer involved in the project emphasized. "Every component is chosen to withstand the rigors of high-speed rail operations."

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट • डीएफसी ट्रैक पर 1400 टन वजनी और 100 मीटर लंबा 'मेक इन इंडिया' स्टील ब्रिज लॉन्च

सूरत | मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट की रफ्तार अब और तेज हो गई है। भरूच के पास डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (DFCC) ट्रैक पर 100 मीटर लंबे स्टील ब्रिज का निर्माण पूरा कर लिया गया है। यह ब्रिज 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत तैयार किया गया है। इस ब्रिज को जोड़ने में करीब टोर-शियर टाइप हाई स्ट्रेंथ (TTBS) बोल्ट का इस्तेमाल किया है।



08वां स्टील ब्रिज है गुजरात में बुलेट रेल का।

1400 मीट्रिक टन वजन है इस ब्रिज का।

100 मीटर लंबा और 14 मीटर ऊंचा है ब्रिज।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए आठवां स्टील ब्रिज हुआ तैयार डीएफसी ट्रैक पर 100 मीटर लंबे 'मेक इन इंडिया' स्टील ब्रिज का निर्माण पूरा

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सुरत.मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल कॉरिडोर पर गुजरात में भरूच के पास डीएफसीसी ट्रैक पर 100 मीटर लंबे स्टील ब्रिज का निर्माण पूरा किया गया है। परियोजना के लिए यह गुजरात में बनने वाले 17 स्टील ब्रिज तथा सम्पूर्ण कॉरिडोर के लिए 28 स्टील ब्रिज में से आठवां स्टील ब्रिज है। नेशनल हाई स्पीड रेल कोर्पोरेशन लिमिटेड (एनएचएसआरसीएल) के अधिकारियों ने बताया कि मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना का कार्य तेजी से पूरा किया जा रहा है।

भरूच के पास डीएफसीसी ट्रैक पर 100 मीटर लंबे स्टील ब्रिज का निर्माण पूरा किया गया है। यह स्टील



ब्रिज लगभग 1,400 मीट्रिक टन वजनी, 14.6 मीटर ऊंचा और 14.3 मीटर चौड़ा है।

इसे त्रिची की एक कार्यशाला में तैयार किया गया है और विशेष रूप से डिजाइन किए गए ट्रेलरो का उपयोग करके साइट पर ले जाया गया। ब्रिज

को 84 मीटर लंबे लॉन्चिंग नोज का उपयोग करके लॉन्च किया गया, जिसका वजन लगभग 600 मीट्रिक टन है। इसके निर्माण में लगभग 55,300 टोर-शियर टाइप हाई स्ट्रेंथ (टीटीएचएस) बोल्ट का उपयोग किया गया है। इसमें सी5 सिस्टम

पेंटिंग और इलास्टोमेरिक बियरिंग शामिल हैं और इन्हें 100 साल के जीवनकाल के लिए डिजाइन किया गया है। ब्रिज को अस्थायी टेस्टल्स पर जमीन से 18 मीटर की ऊंचाई पर साइट पर जोड़ा गया और मैक-अलॉय बार का उपयोग करके 2 अर्ध-स्वचालित जैक की स्वचालित प्रणाली के साथ खींचा गया, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 250 टन है। डीएफसीसी ट्रैक पर इंटरमिटेट ब्लॉक के साथ लॉन्चिंग पूरी की गई है। ब्रिज लॉन्चिंग की सुरक्षा और सटीकता सुनिश्चित करने के लिए ट्रैफिक ब्लॉक्स आवश्यक हैं जिसे माल डुलाई सेवाओं में व्यवधान को कम करने के लिए चरणबद्ध तरीके से किया जाता है।

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट : ब्रिज त्रिची में तैयार, 14 सौ मीट्रिक टन वजन, 14.6 मीटर ऊंचा व 14.3 मीटर चौड़ा

भरूच के पास डीएफसी ट्रैक पर 100 मीटर लंबा 'मेक इन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क

patrika.com

अहमदाबाद. मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट के लिए डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) ट्रैक पर 100 मीटर लंबा 'मेक इन इंडिया' स्टील ब्रिज लॉन्च किया गया। प्रोजेक्ट के लिए यह गुजरात में बनने वाले 17 स्टील ब्रिज तथा संपूर्ण कॉरिडोर के लिए 28 स्टील ब्रिज में से 8वां स्टील ब्रिज है।

14 सौ मीट्रिक टन वजन का यह स्टील ब्रिज 14.6 मीटर ऊंचा और 14.3 मीटर चौड़ा है। इसे त्रिची की एक कार्यशाला में तैयार किया गया है। इसे विशेष रूप से डिजाइन किए गए ट्रेलरों का उपयोग कर भरूच में साइट पर पहुंचाया गया। इस स्टील ब्रिज को 84

मीटर लंबे लॉन्चिंग नोज का उपयोग करके लॉन्च किया गया, जिसका वजन लगभग 600 मीट्रिक टन है। निर्माण में लगभग 55 हजार टोर-शियर टाइप हाई स्ट्रेंथ (टीटीएचएस) बोल्ट का उपयोग किया गया है, जिसमें सी5 सिस्टम पेंटिंग और इलास्टोमेरिक बियरिंग शामिल हैं और 100 साल के जीवनकाल के लिए डिजाइन किया गया है। इस स्टील ब्रिज को अस्थायी ट्रेस्टल्स पर जमीन से 18 मीटर की ऊंचाई पर साइट पर जोड़ा गया और मैक-अलॉय बार का उपयोग कर 2 अर्ध-स्वचालित जैक की स्वचालित प्रणाली के साथ खींचा गया, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 250 टन है। डीएफसी ट्रैक पर इंटरमिटेट ब्लॉक के साथ लॉन्चिंग पूरी की गई।



28 में से 8 स्टील ब्रिज बनकर तैयार

100 मीटर लंबे स्टील ब्रिज का निर्माण पूरा



■ मुंबई, (सं.) मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना की प्रगति के अंतर्गत, गुजरात में भरूच के पास डीएफसीसी ट्रैक पर 100 मीटर लंबे स्टील ब्रिज का निर्माण पूरा किया गया है. परियोजना के लिए यह गुजरात में बनने वाले 17 स्टील ब्रिज तथा सम्पूर्ण कॉरिडोर के लिए 28 स्टील ब्रिज में से आठवां स्टील ब्रिज है. लगभग 1,400 मीट्रिक टन वजन का यह स्टील ब्रिज 14.6 मीटर ऊंचा और 14.3 मीटर चौड़ा है. इसे त्रिची की एक कार्यशाला में तैयार किया गया है और विशेष रूप से डिजाइन किए गए ट्रेलरों का उपयोग करके साइट पर ले जाया गया है.

बुलेट ट्रेन प्रोजेक्ट: 100 साल की डिजाइन

ब्रिज को 84 मीटर लंबे लॉन्चिंग नोज का उपयोग करके लॉन्च किया गया, जिसका वजन लगभग 600 मीट्रिक टन है. निर्माण में लगभग 55,300 टोर-शियर टाइप हाई स्ट्रेंथ (टीटीएचएस) बोल्ट का उपयोग किया गया है, जिसमें सी5 सिस्टम पेंटिंग और इलास्टोमरिक बियरिंग शामिल हैं और जिन्हें 100 साल के जीवनकाल के लिए डिजाइन किया गया है. ब्रिज को अस्थायी ट्रेस्टल्स पर जमीन से 18 मीटर की ऊंचाई पर साइट पर जोड़ा गया और मैक-अलॉय बार का उपयोग करके 2 अर्ध-स्वचालित जैक की स्वचालित प्रणाली के साथ खींचा गया, जिनमें से प्रत्येक की क्षमता 250 टन है. डीएफसीसी ट्रैक पर इंटरमिटेंट ब्लॉक के साथ लॉन्चिंग पूरी की गई. ब्रिज लॉन्चिंग की सुरक्षा और सटीकता सुनिश्चित करने के लिए ट्रैफिक ब्लॉक्स आवश्यक हैं.

Mumbai-Ahmedabad Bullet Train: Work on 'Make in India' steel bridge begins

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन : 'मेक इन इंडिया' पोलादी पुलाचे काम सुरु

■ मुंबई : मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पाचे काम वेगाने सुरु असून, गुजरातमधील भरुचजवळ १०० मीटर लांबीचा पोलादी पूल यशस्वीरीत्या बसविण्यात आल्याची माहिती राष्ट्रीय महामार्ग रेल प्राधिकरणाने दिली आहे. बुलेट ट्रेन प्रकल्पासाठी गुजरातमध्ये बांधण्यात येणारा हा आठवा स्टील पूल आहे.

सुमारे १,४०० मेट्रिक टन वजनाचा हा पूल १४.६ मीटर उंच असून, १४.३ मीटर रुंद आहे. हा पूल तिरुचिरापल्ली येथील कार्यशाळेत तयार करण्यात आला आणि खास डिझाइन केलेल्या ट्रेलर्सद्वारे साईटवर नेण्यात आला. हा पूल ८४ मीटर लांब 'लॉन्चिंग नोज'च्या साहाय्याने स्थापित करण्यात आला, ज्याचे वजन



सुमारे ६०० मेट्रिक टन आहे.

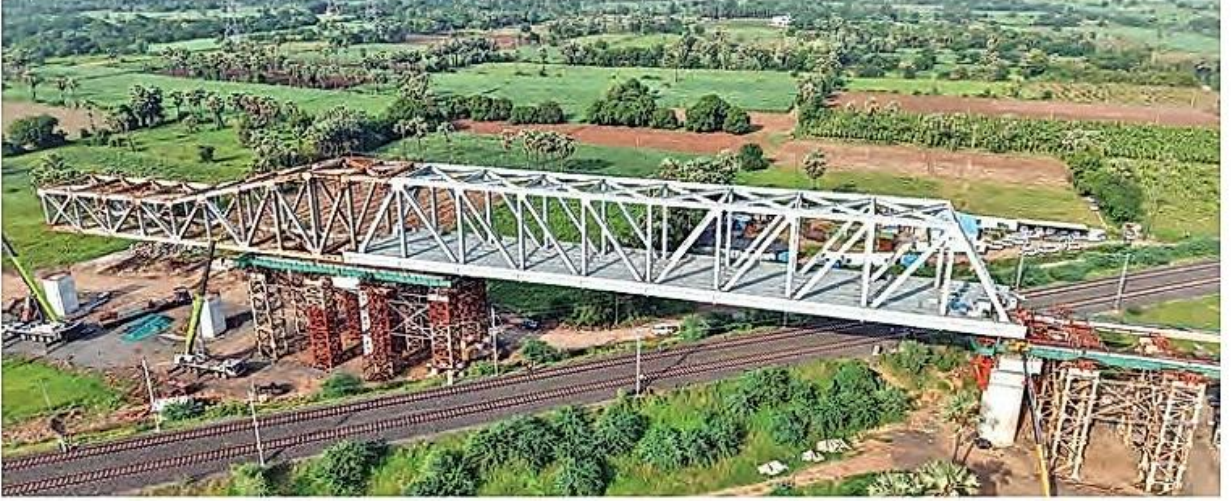
या पुलाच्या निर्मितीसाठी सुमारे ५५,३०० 'टॉर-शिअर प्रकाराचे उच्च ताकदीचे (टीटीएचएस)' बोल्ट वापरण्यात आले असून, यावर सी५ प्रणालीचे रंगकाम करण्यात आले आहे आणि १०० वर्षांच्या आयुष्यासाठी डिझाइन केलेल्या इलास्टोमेरिक बेअरिंग

वापरण्यात आल्या आहेत. हा पूल जमिनीपासून १८ मीटर उंच असलेल्या तात्पुरत्या ट्रेस्टल्सवर जोडण्यात आला आणि दोन अर्ध-स्वयंचलित जॅक्सच्या स्वयंचलित यंत्रणेद्वारे ओढण्यात आला. प्रत्येक जॅकची क्षमता २५० टन असून, मॅक-अॅलॉय बार्सचा वापर करण्यात आला.

पुलाची स्थापना अतिशय काळजीपूर्वक नियोजित ट्रॅफिक ब्लॉक्सच्या माध्यमातून डीएफसीसी मार्गावर अचूकपणे पार पडली. मालवाहतुकीला कमीत कमी अडथळा निर्माण होईल याची खात्री करताना सुरक्षा सुनिश्चित करण्यासाठी हे ब्लॉक्स टप्प्याटप्प्याने लागू करण्यात आल्याची माहिती एनएचआरसीएलने दिली आहे.

100-meter-long steel bridge of Mumbai-Ahmedabad bullet train project launched

ભરૂચ નજીકના DFCC ટ્રેક ઉપર બ્રિજ બનાવાયો



ભરૂચ નજીક ડીએફસીસી ટ્રેક પર લોખંડનો ૧૦૦ મીટર લાંબો બ્રિજ લોન્ચ કરાયો છે.

મુંબઈ-અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટનો ૧૦૦ મીટર લાંબો સ્ટીલ બ્રિજ લોન્ચ

મેક ઈન ઈન્ડિયા હેઠળ બનાવાયેલો સ્ટીલ બ્રિજ ત્રીજી ખાતે તૈયાર કરાયો

। ભરૂચ ।

મુંબઈ-અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટની સતત પ્રગતિના ભાગરૂપે ગુજરાતના ભરૂચ નજીક ડીએફસીસી ટ્રેક ઉપર ૧૦૦ મીટર લાંબો સ્ટીલ બ્રિજ પુર્ણ થયો. આ પ્રોજેક્ટ માટે ગુજરાતમાં બાંધવામાં આવનાર આઠમો સ્ટીલ બ્રિજ છે અને સમગ્ર કોરિડોર માટે ૧૭ સ્ટીલ બ્રિજ અને ૨૮ સ્ટીલ બ્રિજ છે.

લગભગ ૧૪૦૦ મેટ્રિક ટન વજનવાળો આ પુલ ૧૪.૬ મીટર ઉંચો અને ૧૪.૩ મીટર પહોળો છે. તેને ત્રિજી ખાતેના વર્કશોપમાં તૈયાર કરવામાં આવ્યો છે અને ખાસ ડિઝાઈન કરાયેલા

ટ્રેલરો દ્વારા સાઈટ સુધી પહોંચાડવામાં આવ્યો છે. પુલને ૮૪ મીટર લાંબા લોન્ચિંગ નોઝનનો ઉપયોગ કરીને લોન્ચ કરવામાં આવ્યો છે જેનું વજન લગભગ ૬૦૦ મેટ્રિક ટન છે. આ પુલના નિર્માણમાં અંદાજે ૫૫,૩૦૦ જેટલા ટોર-શીયર પ્રકારના હાઈ સ્ટ્રેન્થ બોલ્ટ્સ (ટીટીએચએસ) નો ઉપયોગ કરવામાં આવ્યો હતો. જેને સીપ પદ્ધતિથી પેઈન્ટિંગ કરવામાં આવ્યું છે અને એલાસ્ટોમેરિક બેરિંગ્સ ૧૦૦ વર્ષના આયુષ્ય માટે ડિઝાઈન કરવામાં આવેલ છે. પુલનું એસેમ્બલી કાર્ય સ્થળ ઉપર જમીનથી ૧૮ મીટર ઉંચાઈએ

તાત્કાલીક ટ્રેસલ્સ પર કરવામાં આવ્યું હતું અને તે ૨ અર્ધ-સ્વચાલિત જેક્સની આપમેળે કાર્ય પદ્ધતિ વડે ખેંચવામાં આવ્યો હતો. જેમાં દરેક જેકની ક્ષમતા ૨૫૦ ટન હતી અને તેમાં મેક-એલોય બાર્સનો ઉપયોગ કરવામાં આવ્યો હતો.

આ લોન્ચિંગ કાર્ય ખુબ જ જાગરૂકતાપુર્વક અમલમાં મુકવામાં આવ્યું હતું. જેમાં ડીએફસી ટ્રેક્સ પર તબક્કાવાર રીતે યોજના મુજબ ટ્રાફિક બ્લોકસ લેવામાં આવ્યા હતા જેથી સલામતી સુનિશ્ચિત રહે અને માલવાહક ટ્રેનોની અવરજવર ઓછામાં ઓછી ખલેલ સાથે ચાલુ રહી શકે.

Bullet train steel bridge launched near Bharuch

ભરૂચ નજીક બુલેટ
ટ્રેનનો સ્ટીલનો
બ્રિજ લોન્ચ કરાયો

અમદાવાદ : અમદાવાદ-મુંબઈ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટમાં ભરૂચ નજીક ડીએફસીસી ટ્રેક ઉપર ૧૦૦ મીટર લાંબા સ્ટીલના બ્રિજનું કામ પૂર્ણ કરાયું છે. ગુજરાતમાં આ આઠમો બ્રિજ બનાવાયો છે. ૧,૪૦૦ મેટ્રિક ટન વજનવાળો આ બ્રિજ ૧૪.૬ મીટર ઊંચો અને ૧૪.૩ મીટર પહોળો છે. તેને ટ્રીચી ખાતેના વર્કશોપમાં તૈયાર કરાયો છે. ખાસ ડિઝાઇન કરાયેલા ટ્રેલરો દ્વારા તેને સાઈટ પર પહોંચાડાયો છે. બ્રિજને ૮૪ મીટર લાંબા લોન્ચિંગ નોઝલથી લોન્ચ કરાયો છે. જેનું વજન ૬૦૦ મેટ્રિક ટન છે.

100-meter-long iron bridge launched on freight corridor track in bullet train project

બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટમાં ફ્રેઈટ કોરીડોરના ટ્રેક ઉપર 100 મીટર લાંબો લોખંડનો પુલ લોન્ચ

નવગુજરાત સમય > સુરત

■ મુંબઈ-અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ માટે ડીએફસીસી ટ્રેક ઉપર 100 મીટર લાંબો 'મેક ઈન ઈન્ડિયા' લોખંડનો પુલ લોન્ચ કરવામાં આવ્યો છે. બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટની ક્રમગીરીમાં પ્રગતિના ભાગ રૂપે, ગુજરાતના ભરૂચ નજીક DFCC

ટ્રેક પર 100 મીટર લાંબો સ્ટીલ બ્રિજ પૂર્ણ થયો. આ પ્રોજેક્ટ માટે ગુજરાતમાં બાંધવામાં આવેલો આ આઠમો સ્ટીલ બ્રિજ છે અને સમગ્ર કોરીડોર માટે આવા 17 સ્ટીલ બ્રિજ અને 28 સ્ટીલ બ્રિજ છે. લગભગ 1400 મેટ્રિક ટન વજનવાળો આ પુલ 14.6 મીટર ઊંચો અને 14.3 મીટર પહોળો છે.



તેને કેરળના ટ્રિચી ખાતેના વર્કશોપમાં તૈયાર કરવામાં આવ્યો છે અને ખાસ ડિઝાઇન કરાયેલા ટ્રેલરો દ્વારા સાઈટ

સુધી પહોંચાડવામાં આવ્યો છે. પુલને 84 મીટર લાંબા લોન્ચિંગ નોઝનો ઉપયોગ કરીને લોન્ચ કરવામાં આવ્યો છે, જેનું વજન લગભગ 600 મેટ્રિક ટન છે. આ પુલના નિર્માણમાં અંદાજે 55,300 જેટલા ટોર-શીયર પ્રકારના છાઈ સ્ટ્રેન્થ બોલ્ટ્સ (ટીટીએચએસ)નો ઉપયોગ કરવામાં આવ્યો હતો.

Bullet Train: 100-meter long 'Make in India' iron bridge launched on DFC track

બુલેટ ટ્રેન : ડીએફસીસી ટ્રેક ઉપર ૧૦૦ મીટર લાંબો 'મેક ઇન ઇન્ડિયા' લોખંડનો પુલ લોન્ચ



અમદાવાદ મુંબઈ-અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટની સતત પ્રગતિના ભાગ રૂપે, ગુજરાતના ભરૂચ નજીક ઠલ્લઝઝ ટ્રેક પર ૧૦૦ મીટર લાંબો સ્ટીલ બ્રિજ પૂર્ણ થયો. આ પ્રોજેક્ટ માટે ગુજરાતમાં બાંધવામાં આવનાર આઠમો સ્ટીલ બ્રિજ છે અને સમગ્ર કોરિડોર માટે ૧૭ સ્ટીલ બ્રિજ અને ૨૮ સ્ટીલ બ્રિજ છે. લગભગ ૧૪૦૦ મેટ્રિક ટન વજનવાળો આ પુલ ૧૪.૬ મીટર

ઊંચો અને ૧૪.૩ મીટર પહોળો છે. તેને ટ્રિપ્લી ખાતેના વર્કશોપમાં તૈયાર કરવામાં આવ્યો છે અને ખાસ ડિઝાઇન કરાયેલા ટ્રેલરો દ્વારા સાઈટ સુધી પહોંચાડવામાં આવ્યો છે. પુલને ૮૪ મીટર લાંબા લોન્ચિંગ નોઝનો ઉપયોગ કરીને લોન્ચ કરવામાં આવ્યો છે, જેનું વજન લગભગ ૬૦૦ મેટ્રિક ટન છે. આ પુલના નિર્માણમાં અંદાજે ૫૫,૩૦૦ જેટલા ટોર-શીયર પ્રકારના હાઈ સ્ટ્રેન્થ બોલ્ટ્સ

ગુજરાતમાં પૂર્ણ થયેલા લોખંડના પુલોની વિગતો

અનુક્રમ નંબર	સ્થાન	લોખંડના પુલની લંબાઈ (મીટર માં)	લોખંડના પુલનું વજન (મીટ્રિક ટન માં)
1	રાષ્ટ્રીય ધોરીમાર્ગ 53, સુરત	70	673
2	નડિયાદ નજીક ભારતીય રેલવેની વડોદરા-અમદાવાદ મુખ્ય રેલ્વે લાઇન ઉપર	100	1486
3	વડોદરા નજીક દિલ્હી-મુંબઈ નેશનલ એક્સપ્રેસવે ઉપર	230 (130 + 100)	4397
4	દાદરા અને નગર હવેલીમાં સિલવાસા નજીક	100	1464
5	વડોદરા સ્થિત વેસ્ટર્ન રેલ્વે ઉપર	60	645
6	બે ડીએફસીસી ટ્રેક અને બે વેસ્ટર્ન રેલ્વે ટ્રેક, સુરત	100, 60	2040
7	વડોદરા નજીક બે ડીએફસીસી ટ્રેક્સ ઉપર	70	674
8	ભરૂચ નજીક ડીએફસીસી ટ્રેક્સ ઉપર	100	1400

(ટીટીએચએસ)નો ઉપયોગ કરવામાં આવ્યો હતો, જેને સીપ પધ્ધતિથી પેઈન્ટિંગ કરવામાં આવ્યું છે અને એલાસ્ટોમેરિક બેરિંગ્સ ૧૦૦ વર્ષના આયુષ્ય માટે ડિઝાઇન કરવામાં આવેલ છે. પુલનું એસેમ્બલી કાર્ય સ્થળ ઉપર જમીનથી ૧૮ મીટર ઊંચાઈએ તાત્કાલિક ટ્રેસલ્સ પર કરવામાં આવ્યું હતું અને તેને ૨ અર્ધ-સ્વચાલિત જેક્સની આપમેળે કાર્ય કરતી પદ્ધતિ વડે ખેંચવામાં આવ્યો હતો, જેમાં દરેક

જેક્સની ક્ષમતા ૨૫૦ ટન હતી અને તેમાં મેક-એલોય બાર્સનો ઉપયોગ કરવામાં આવ્યો હતો. આ લોન્ચિંગ કાર્ય ખૂબ જ જાગરુકતાપૂર્વક અમલમાં મૂકવામાં આવ્યું હતું, જેમાં ડીએફસી ટ્રેક્સ પર તબક્કાવાર રીતે યોજના મુજબ ટ્રાફિક બ્લોક્સ લેવામાં આવ્યા હતા જેથી સલામતી સુનિશ્ચિત રહે અને માલવાહક ટ્રેનોની અવરજવર ઓછામાં ઓછી ખલેલ સાથે ચાલુ રહી શકે.

100 meter long bridge ready on bullet train route in Bharuch

ભરૂચમાં બુલેટ ટ્રેનના રૂટ પર 100 મીટર લાંબો પુલ તૈયાર



ભરૂચ | અમદાવાદ-મુંબઈ વચ્ચે બુલેટ ટ્રેનના રૂટ પર ભરૂચ નજીક 100 મીટર લાંબો સ્ટીલનો બ્રિજ તૈયાર કરી દેવામાં આવ્યો છે. લગભગ 1400 મેટ્રિક ટન વજનવાળો આ પુલ 14.6 મીટર ઊંચો અને 14.3 મીટર પહોળો છે. તેને ટ્રિપ્લી ખાતેના વર્કશોપમાં તૈયાર કરવામાં આવ્યો છે અને ખાસ ડિઝાઈન કરાયેલા ટ્રેલરો દ્વારા સાઈટ સુધી પહોંચાડવામાં આવ્યો છે. પુલને 84 મીટર લાંબા લોન્ચિંગ નોઝનો ઉપયોગ કરીને લોન્ચ કરવામાં આવ્યો છે, જેનું વજન લગભગ 600 મેટ્રિક ટન છે. પુલના નિર્માણમાં અંદાજે 55,300 જેટલા ટોર-શીયર પ્રકારના હાઈ સ્ટ્રેન્થ બોલ્ટ્સ (ટીટીએચએસ)નો ઉપયોગ કરવામાં આવ્યો હતો, જેને સી5 પધ્ધતિથી પેઈન્ટિંગ કરવામાં આવ્યું છે અને એલાસ્ટોમેરિક બેરિંગ્સ 100 વર્ષના આયુષ્ય માટે ડિઝાઈન કરવામાં આવેલ છે. પુલનું એસેમ્બલી કાર્ય સ્થળ ઉપર જમીનથી 18 મીટર ઊંચાઈએ તાત્કાલિક ટ્રેસલ્સ પર કરવામાં આવ્યું હતું અને તેને 2 અર્ધ-સ્વચાલિત જેક્સની આપમેળે કાર્ય કરતી પદ્ધતિ વડે ખેંચવામાં આવ્યો હતો, જેમાં દરેક જેક્સની ક્ષમતા 250 ટન હતી.

Successful construction of 'Make in India' steel bridge on DFCC route

मुंबई-अहमदाबाद बुलेट ट्रेन प्रकल्पात ठाणे, पालघर जिल्ह्यांसाठी महत्वाचा टप्पा

डीएफसीसी मार्गावर 'मेक इन इंडिया' पोलादी पुलाची यशस्वीरीत्या निर्मिती

◆ ठाणे (प्रतिनिधी) :

मुंबई-अहमदाबाद उच्चगती बुलेट ट्रेन प्रकल्पात, ठाणे व पालघर जिल्ह्यांतून जाणाऱ्या मार्गासाठी आणि संपूर्ण पश्चिम भारतातील दळणवळण क्रांतीसाठी एक महत्वाचा टप्पा पूर्ण झाला आहे. गुजरातमधील भरुचजवळ डीएफसीसी मार्गावर १०० मीटर लांबीचा अत्याधुनिक 'मेक इन इंडिया' पोलादी पूल यशस्वीरीत्या बांधण्यात आला. हा आठवा स्टील पूल आहे आणि संपूर्ण कॉरिडॉरसाठी १७ स्टील पूल आणि २८ स्टील पूल आहेत.



सुमारे एक हजार ४०० मेट्रिक टन वजनाचा हा पूल १४.६ मीटर उंच असून १४.३ मीटर रुंद आहे. हा पूल तिरुचिरापल्ली येथील कार्यशाळेत तयार करण्यात आला आणि खास डिझाइन केलेल्या ट्रेलर्सद्वारे साईटवर नेण्यात आला.

हा पूल ८४ मीटर लांब 'लॉन्चिंग नोज'च्या साहाय्याने स्थापित करण्यात आला, ज्याचे वजन सुमारे ६०० मेट्रिक टन आहे.

या पुलाच्या निर्मितीसाठी सुमारे ५५ हजार ३०० 'टॉर-शिअर प्रकाराचे उच्च ताकदीचे

ठाणे व पालघर जिल्ह्यातून बुलेट ट्रेनचा कोरिडॉर जाणार असल्याने, या भागाच्या दळणवळण आणि आर्थिक विकासाला गती देणारी ठरेल. आगामी काळात या जिल्ह्यांतील नागरिक, शेतकरी, उद्योजक आणि पर्यटकांना याचा प्रत्यक्ष लाभ होणार आहे.

(टीटीएचएस)' बोल्ट वापरण्यात आले असून, यावर सी ५ प्रणालीचे रंगकाम करण्यात आले आहे आणि १०० वर्षांच्या आयुष्यासाठी डिझाइन केलेल्या इलास्टोमेरिक बेअरिंग वापरण्यात आल्या आहेत. हा पूल जमिनीपासून १८ मीटर उंच

असलेल्या तात्पुरत्या ट्रेसल्सवर जोडण्यात आला आणि दोन अर्ध-स्वयंचलित जॅक्सच्या स्वयंचलित यंत्रणेद्वारे ओढण्यात आला. प्रत्येक जॅकची क्षमता २५० टन असून मॅक-अॅलॉय बार्सचा वापर करण्यात आला.

पुलाची स्थापना अतिशय काळजीपूर्वक नियोजित ट्रेफिक ब्लॉक्सच्या माध्यमातून डीएफसीसी मार्गावर अचूकपणे पार पडली. मालवाहतुकीला कमीत कमी अडथळा निर्माण होईल याची खात्री करताना सुरक्षा सुनिश्चित करण्यासाठी हे ब्लॉक्स टप्प्याटप्प्याने लागू करण्यात आले.

100 m steel bridge launched in Bharuch

બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ માટે તામિલનાડુથી ૧૪૦૦ મેટ્રિક ટનનો પુલ ટ્રેલરોમાં ભરૂચ સુધી લાવવામાં આવ્યો



મુંબઈ-અમદાવાદ બુલેટ ટ્રેન કોરિડોરની કામગીરી સતત ઝડપ પકડી રહી છે ત્યારે ગુજરાતના ભરૂચ નજીક ડેડિકેટેડ ફાઇટ કોરિડોર (ડીએફસીસી) ટ્રેક પર ૧૦૦ મીટર લાંબો સ્ટીલ પુલ સફળતાપૂર્વક લોન્ચ કરવામાં આવ્યો છે. આ લોખંડના પુલનું વજન અંદાજે ૧૪૦૦ મેટ્રિક ટન છે અને તેની લંબાઈ ૧૦૦ મીટર, ઊંચાઈ ૧૪.૬ મીટર તથા પહોળાઈ ૧૪.૩ મીટર છે. મેક ઈન ઈન્ડિયા અભિયાન હેઠળ બનાવાયેલો આ પુલ તામિલનાડુના ત્રિચી ખાતે તૈયાર થયો હતો અને ખાસ ડિઝાઇન કરાયેલા ટ્રેલરો દ્વારા ગુજરાત સુધી લાવવામાં આવ્યો હતો. ડીએફસીસી પર બુલેટ ટ્રેન પ્રોજેક્ટ માટે ગુજરાતમાં બાંધવામાં આવતો આ આઠમો સ્ટીલ પુલ છે, જ્યારે સમગ્ર કોરિડોર માટે કુલ ૧૭ મુખ્ય અને ૨૮ નાના સ્ટીલ પુલોની રચના થનાર છે. આ પુલને ૮૪ મીટર લાંબા અને આશરે ૬૦૦ ટન વજનના લોન્ચિંગ નોઝના માધ્યમથી લોન્ચ કરવામાં આવ્યો હતો. પુલના નિર્માણમાં ૫૫,૩૦૦ જેટલા ટોર્ક-શીયર હાઈ સ્ટ્રેન્થ બોલ્ટ્સ અને એલાસ્ટોમેરિક બેરિંગ્સનો ઉપયોગ થયો છે, જે ૧૦૦ વર્ષની આયુષ્ય ધરાવે છે. પેઈન્ટિંગમાં સીપ કોટિંગ પદ્ધતિ અપનાવવામાં આવી હતી. જમીનથી ૧૮ મીટર ઊંચા તાત્કાલિક ટ્રેસલ્સ પર પુલનું એસેમ્બલી કાર્ય પૂર્ણ કરાયા બાદ, ૨૫૦ ટન ક્ષમતા ધરાવતા અર્ધ-સ્વચાલિત બે જેક્સ વડે પુલને ખેંચી મુકાયો હતો.